

धारणीय 1) adj. partic. fut. pass. von धरू. — 2) f. आ = धारणीकन्द
RĪĀN. im ÇKDr.

धारणीराज (धा + राज) m. Titel eines buddh. Werkes WASSILJEV
327. 333.

धारपूत (धार = धारा + पूत) adj. nach Śiś. wie mit Wassergüssen ge-
reinigt, etwa wasserhell, — klar; von den Āditja RV. 2, 27, 2. 9.

धारय nom. ag. von धरू P. 3, 1, 138. Vop. 26, 35. — Vgl. कर्म.

धारयत्कवि (धारयत्, partic. praes. von धरू, + कवि) adj. die Weisen
tragend, — hegend RV. 1, 160, 1.

धारयत्तिति (धारयत् + ति) adj. die Geschöpfe tragend, — erhaltend:
अदिति RV. 1, 136, 3. Mitra-Varuṇa 10, 132, 2.

धारयद्त् (von धारयत्) adj. P. 1, 4, 17, Vārtt. dem die Eigenschaft
des Erhaltenden zukommt, von den Āditja TS. 2, 3, 4, 1. 2. KĀTJ. 11, 6.

धारयितर (von धरू) nom. ag. 1) Halter, Träger Nir. 9, 25. तस्या (ग-
ङ्गायाः) धारयितारं च नान्यं पश्यामि शूलिनः R. 1, 43, 25 (Gorr. 44, 23). —
2) derjenige welcher im Zaume hält: त्वं हि धारयिता श्रेष्ठः कुब्रूणां कु-
रुसत्तम । मिथ्या प्रचरतां तात वाक्छेद्यन्तरेण च ॥ MBh. 3, 339, 1. — 3)
derjenige welcher behält TAĪT. Ār. 10, 9. — 4) f. ऽत्री = धरित्री die
Erde ÇABDAR. im ÇKDr.

धारयितव्य (wie eben) 1) zu tragen VARĀH. BRH. S. 81 (80, a), 17. — 2)
festzuhalten: दृढं बद्धा धारयितव्यः PRAB. 34, 2. — 3) aufzufassen: दृपो
प्राणानां कस्य कर्म व्रतत्वेन धारयितव्यम् ÇĀM̃. zu BRH. Ār. Up. p. 315.

धारयिषु (wie eben) adj. der da hält, trägt: दृपदं धारयिषुवः ved. P.
3, 2, 137, Sch. Davon nom. abstr. ऽता f. viell. Geduld KĀM. NĪTIS. 1, 21, 4, 35.

धारयु (von धार = 1. धारा) adj. tropfend, strömend: त्वं सौमसि धार-
युमन्त्रं श्रोत्रिष्ठं श्रद्धेः RV. 9, 67, 1.

धारवाक् nach Śiś. derjenige welcher die (heiligen) Reden (वाक्) un-
terhält (1. धार): धारवाक्छेद्युगाय शोभते RV. 5, 44, 5.

1. धारा (von 1. धाव्, धन्व् wie नीर von निन्व्) f. gaṇa वृषादि zu P.
6, 1, 203. Vop. 26, 191. 1) Strom, Guss, Strahl, Tropfen (hervorquellen-
der Flüssigkeit); = प्रपात gaṇa भिदादि zu P. 3, 3, 104 (oxyl). = द्रवस्य
प्रपातः MED. r. 50. = प्रवाह H. 1087. = जलादिपात H. an. 2, 431. =
अम्बुसृति TRIK. 3, 3, 356. = अतिवृष्टि ÇABDAR. im ÇKDr. = घनासारव-
र्षण Viçva ebend. धारा उद्व्याः RV. 2, 7, 3. घृतस्य 1, 125, 4. 3, 1, 8. मध्वः
36, 7. पर्वतस्य 57, 6. 5, 32, 1. प्र पिन्वत् वृक्षो अश्वस्य धाराः 5, 83, 6 (vgl.
Σορός). 1, 83, 5. des Soma: सौमस्य ते पवत इन्द्र धारा 9, 87, 8. 1, 1, 2, 3.
9 und oft. VS. 12, 9. पर्जन्यो धारा मरुतो ऊधौ अस्य AV. 4, 11, 4. 34, 5, 7,
107, 1. PĀNĀV. Br. 13, 12, 12. 20, 14, 2. ÇĀT. Br. 4, 3, 5, 22. Z. d. d. m. G. 9, LI.
उदक° AIT. Br. 7, 12. ĀÇV. GRHJ. 2, 8, 4, 6. उद° KĀTJ. Çr. 4, 13, 16. —
LĀTJ. 1, 10, 21. धारायद् Einfassen des fließenden Soma (im Gegens. zum
Schöpfen) KĀTJ. Çr. 12, 3, 4. धारानुयाज Schol. zu KĀTJ. Çr. 439, 43. 476,
18. 616, 2. — उत्पपात ततो धारा वारिणः MBh. 6, 5785. 13, 4932. R. 4,
44, 62. सिषिचुः केशवं पत्न्यो धारा (Flüsse) इव महेन्द्रधाम् HARIV. 8325.
शिखराश्वस्य धाराणां मरुतं संप्रवर्तते R. 4, 43, 37. 39. तौ हन्यमानौ ना-
रचिर्धाराभिरिव पर्वतौ Regengüsse 6, 19, 62. 30. 11. 81, 24. MĀK̃. 91, 5. (ए-
ताः) धारा ज्वेन पतिता जलदेदरेभ्यः 76, 15. MĀLAV. 78. MEGH. 104. Būg.
P. 8, 11, 20. धारोर्मिभिः MBh. 1, 1299. धाराविगलितं शीधु KĀTJ. 21, 6.
धारान्तरद्क्त PRAB. 85, 12. संसक्तधाराजले च मेघे KĀM. NĪTIS. 7, 38. सती-

न्धाधारापतनोयसायकाः (वलाङ्काः) R. 2, 4. अश्रुधारा इव वारिधाराः
MĀK̃. 91, 4. MEGH. 54. RAGH. 16, 66. PRAB. 26, 6. KĀT. 3 (wo mit H. AB.
so zu lesen ist für धारिधारा). तोयधारा MBh. 4, 1062. R. 3, 33, 84 (falsch
aufgefasst u. तोयधार). उद° Būg. P. 3, 8, 24. लोहित°, रुधिर°, नतन°,
रक्त°, कीलाल° MBh. 4, 1729. R. 3, 30, 4. 4, 22, 23. KĀTJ. 22, 228. PRAB.
54, 3. आश्व° MBh. 1, 8126. 9, 912. KĀTJ. 24, 227. नीर° MĀK̃. 26, 2.
H. 57. अमृत° Glt. 4, 5. घृतधारा adj. (गङ्गा) MBh. 13, 1848. मन्दधार
adj. in langsamem Strahl strömend SUÇR. 1, 297, 5. धारा (Tropfen)
नैव पतति चातकमुखे मेघस्य किं ह्यणाम् BHART. 2, 89. जलवर्षं मरुत-
रम् । धारभिरुत्तमात्रभिः प्राडरासीत् ARG. 8, 4. यथा वा वर्षता धारा अ-
संख्येयाः MBh. 3, 10299. PĀNĀT. II, 62. MĀK̃. P. 15, 74. Auch uneigent-
lich (धारा = समूह Viçva im ÇKDr.): शर° MBh. 9, 754. वाण° R. 6,
88, 3. पुष्पाणाम् 3, 88, 31. सुमनो° Būg. P. 4, 13, 7. द्रविणस्य AV. 12, 1,
45. रायः RV. 6, 55, 3. ऋतस्य 1, 67, 7 (4). 5, 12, 2. 8, 6, 8. वसूनाम् MBh. 3,
13390. वसु° 15, 420. वसोर्धारा Strom oder Quelle des Gutes (der Gü-
ter) heisst a) eine best. Libation an Agni AV. 12, 3, 41. ÇĀT. Br. 9, 3,
2, 1, 3, 15. MBh. 1, 8146. — b) ein heil. Badeplatz MBh. 3, 5018. 13,
3789. — c) Agni's Gemahlin (mit Anschluss an a) Būg. P. 6, 6,
13. — धावद्धारधारावधिरित Inschr. in Journ. of the Am. Or. S.
7, 9, Çl. 30. Hierher wohl auch: सं मा कृतस्य धारया धनुः स्रात्रेव नक्षत
AV. 7, 30, 9. Am Ende eines adj. comp. nach einem Zahlwort: द्विधार
RV. 10, 30, 10. त्रिधारा (गङ्गा) HARIV. 3189. शत° उत्स RV. 3, 26, 9.
VS. 13, 49. वायु RV. 10, 107, 4. Soma 9, 83, 4. 86, 11. — 27. पवित्र VS.
1, 3. JĀN. 1, 280. सकृद° गौः RV. 4, 41, 5. 10, 133, 7. स्तनौ AV. 9, 1, 7.
Soma RV. 9, 13, 1. 26, 2. पवित्र 73, 7. VS. 1, 3. — RV. 9, 73, 4. 74, 6. —
Vgl. अमृधारा, उरु°, जल°, भूरि°, मधु°, विद्यतो°, सु°. — 2) Sprung
—, Leck in einem Wasserkrüge (aus dem das Wasser hervorquillt) MED.
— 3) pl. die verschiedenen Gänge eines Pferdes (deren 5 angenommen
werden) AK. 2, 8, 2, 17. TRIK. H. 1246. H. an. MED. Çiç. 5, 60. — 4) N.
pr. eines heiligen Badeplatzes MBh. 3, 8003. माहेश्वरी 8095. — Verz. d.
Oxf. H. 449, a, 28. ततः स सप्तधाराष्यं तीर्थं परमपावनम् । जगाम मुनिशा-
ईलो यत्र गङ्गास सप्तधा ॥ ebend. 34. — 5) N. pr. einer Stadt (der Re-
sidenz Bhogā's) COLEBR. Misc. Ess. 1, 236. II, 298. 303. 462. 485. Journ.
of the Am. Or. S. 7, 24. Verz. d. Oxf. H. 148, a, 4. No. 212, Z. 12. No.
320, Z. 3. ١٥٠ bei ALBYROUNY (REINAUD, Fragments arabes et persans
u. s. w. S. 86, 2. 108).

2. धारा (von 2. धाव्) f. gaṇa वृषादि zu P. 6, 1, 203. Vop. 26, 191. 1)
Schneide, Schärfe, Klinge eines schneidenden Werkzeugs H. an. 2, 431.
MED. r. 50. fg. शिशीत् तेजो ऽयसो न धाराम् RV. 6, 3, 5. 47, 10. प्र सप्तव-
धिराशसा धारामग्रेऽशायत Schärfe der Flammen 8, 62, 9. नुरस्य ÇĀT. Br.
14, 6, 2. स्वर्धिति° KAUC. 44. TAĪT. Ār. 4, 38, 1. SUÇR. 1, 27, 18. 28, 1.
नानाधारामुखैः शस्त्रैः 2, 17, 9. खड्ग° R. 2, 23, 35. HIT. III, 67. TRIK. 1, 1,
125. परश्वस्य RAGH. 6, 42. 11, 78. नीलोत्पलपद्मधारया समिलता के-
तुम् ÇĀK. 17. तीक्ष्णधार (s. auch bes.) MBh. 13, 864. R. 6, 68, 13. DEV. 3,
6. शित° MBh. 3, 13581. HARIV. 2447. Būg. P. 4, 5, 22. कुण्ठ° R. 3, 32,
16. पृथु° MBh. 1, 8240. 4, 1990. 2042. 2082. R. 6, 92, 14. उरु° Būg. P. 2,
7, 22. उभयतो° 5, 26, 15. धार° PRAB. 5, 10. वज्र° R. 6, 87, 10. 17. कृत°
geschärft MBh. 7, 3090. Vgl. अर्थ°, असि°, नुर°, खण्ड°, खर°. — 2) der